ELOQUENTLY : (1) प्रौढम् (?) ; (2) सपाटवम् (=skilfully) ; (3) वाग्विलासेन (?).

ELSE (conj.) : (1) अन्यथा ; (2) इतरथा : v. Otherwise.

ELSE (adj.) : Ph. : *who e.* : कोऽन्यः *or* कोऽपरः, K. ; *what e.* : किमन्यत् *or* किमपरम्, Ma. *or* किमितः परम्, Ra. ; *something e.* : अन्यत् किञ्चित्, Ana ; *somewhere e.* : अन्यत्र कुत्रापि, N.

ELSEWHERE : (1) अन्यत्र ; (2) अन्यतः, R.v. 17.

ELUCIDATE : (1) उद्भासयति (c. of भास्) ; (2) विशदीकरोति (कृ, c. 8.) : v· To explain.

ELUCIDATION : (1) उद्भासनम् ; (2) विशदीकरणम् : v. Explanation.

ELUCIDATOR : उद्भासकः, : v. Interpreter.

ELUDE : (1) कौशलेन परिहरति (हृ, c. 1.) ; (2) मोघीकरोति (=to frustrate : q.v.).

ELYSIAN : स्वर्गीयः (या, यं) (=heavenly : q.v.).

ELYSIUM : स्वर्गः (=heaven); वैकुण्ठम् (of Vishnu).

EMACIATE : I. To make lean : (1) कर्शयति, परि-, (c. of कृश्) *or* कृशीकरोति, *e.d by disfigurement* : वैरूप्यकर्शितः (ता, तं), Ram. ; (2) क्षिणोति, परि-, (क्षि, c. 5.), *the disease e.d him* : आमयस्तमक्षिणोत्, R. II. To become lean : (1) कृशीभवति *or* कृश्यति, परि-, (कृश्, c. 4.) ; (2) क्षीयते (pass. of क्षि).

EMACIATE (adj.) : परिकृशः (शा, शं) : v. Lean, thin.

EMACIATION : (1) कृशता ; (2) कार्श्यम् ; (3) क्षामता.

EMANATE : I. To flow from : q.v. : उद्गच्छति (गम्, c. 1.). II. To arise, originate : q.v. : उद्गच्छति.

EMANATION : I. The act : उद्गमः ; निर्गमः. II. That which comes out : expr. by verb.

EMANCIPATE : मोचयति *or* मोक्षयति, वि-, (मुच् *or* मोक्ष् c. 10.), *you will be e.d from the bond of the world* : भवबन्धाद्विमोक्ष्यसे, V.c. ; *they should be e.d by the king* : राज्ञा मोचयितव्यास्ते, M.p. : v. To liberate, free.

EMANCIPATION : मोक्षः ; *e. of slaves* : दासस्य मोक्षः, Viv. : v. Liberation, release.

EMANCIPATOR : मोचयितृ (f. त्री) : v. Liberator.

EMASCULATE : I. Lit., to castrate : पुंस्त्वं हन्ति, उप-, प्रति-, (हन्, c. 2.), V.s. II. Fig. : v. To Weaken, Enervate.

EMASCULATE-D (adj.) : I. Lit. : हतपुंस्त्वः. II. Fig. : हतवीर्य (f. र्या).

EMASCULATOR : (1) पुंस्त्वस्य प्रतिघातकृत्, Y., and sim. comp.s.

EMBALM : (1) रक्षति (रक्ष्, c. 1.), *therefore (they) e. the king* : ततो रक्षन्ति भूमिपम्, Ram. ; (2) तैले निक्षिपति (क्षिप्, c. 6.) (to e. in oil), B.

EMBALMER : expr. by verb : v. Above.

EMBANK : वप्रेण बध्नाति (बन्ध्, c. 9.).

EMBANKMENT : वप्रबन्धः (?) : v. Mound, bank.

EMBARGO : निषेधः *or* प्रस्थाननिषेधः (?).

EMBARK (v.t.) : I. Lit. : (1) नौकायाम् आरोपयति (c. of रुह्) *or* निदधाति (धा, c. 3.) (=put on board), *e. ing them all* : अस्यां निधाय सर्वांस्तान्, Mat. ; (2) नौकया प्रस्थापयति (c. of स्था) (=to send by boat). II. To engage : व्यापारयति (c. of पृ).

EMBARK (v.i.) : I. Lit. ; (1) नावं *or* पोतम् आरोहति, अधि-, (रुह्, c. 1.) etc., *without e. ing on a vessel* : पोताधिरोहेण विनैव, Tar. ; (2) नौकया प्रतिष्ठते (स्था, c. 1.) (=to depart). II. To engage : व्याप्रियते (पृ, c. 4.).

EMBARKATION : नौकारोहणम् (going) *or* नौकारोपणम् (putting on board) ; प्रस्थानम् (= departure).

EMBARRASS : (1) आकुलयति (=to perplex), *affection e. es Śatānanda* : स्नेहः शतानन्दमाकुलयति, An. ; (2) मोहयति, वि-, प्र-, व्या-, (c. of मुह्) (=to confound), *I. am e. ed seeing(this) evil* : अनर्थमुत्प्रेक्ष्य प्रमुग्धोऽस्मि, An. (3) बाधते (=to hinder, annoy), Vi.

EMBARRASSMENT : (1) व्याकुलता ; (2) प्रमोहः ; (3) बाधा ; (4) विषमम् (=difficulty : q.v.).

EMBASSADOR : v. Ambassador.

EMBASSY : I. Lit. : दौत्यम् *or* दूत्यम्. II. The dwelling of an ambassador : दूतावासः.

EMBATTLED : (1) विन्यस्तः (स्ता, स्तं) ; (2) विरचितः (ता, तं). Ph. : *e. field* : युद्धक्षेत्रम्.

EMBEDDED : (1) निहितः (ता, तं) ; (2) न्यस्त (f. स्ता) ; (3) निविष्ट (f. ष्टा).

EMBELLISH : विभूषयति (भूष्, c. 10.) : v. To adorn.